अध्यक्षीय शोध कदम के अंतर्गत जल, सूखे और तत्संबंधी मुद्दों पर कार्यशाला संपन्न हुई

नई दिल्ली, 5 मई, 2016 : अध्यक्षीय शोध कदम के अंतर्गत जल, सूखे और तत्संबंधी मुद्दों पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला, जिसका शुभारम्भ लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने 4 मई, 2016 को किया था, आज संपन्न हुई। संसद की दोनों सभाओं के 150 से भी अधिक सदस्यों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

इस कार्यशाला में तीन परस्पर जुड़े विषयों अर्थात् (एक) सूखा और संबंधित कृषि समस्याएं (दो) पेयजल प्रबंधन - समस्याएं और मुद्दे (तीन) जल प्रबंधन के लिए नदियों का अंतर्योजन विषयों पर विचार किया गया। सदस्यों ने इस कार्यशाला के दोनों दिन इन विषयों में बहुत रूचि दिखाई।

इस बात पर आम तौर पर सभी सहमत थे कि "नदियों को आपस में जोड़ने" का मुद्दा जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और देश की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस बात पर जोर दिया गया कि जिन राज्यों में अधिक पानी है, उन्हें अतिरिक्त पानी को ऐसे राज्यों को देने के लिए सहमत होना चाहिए जहाँ पानी की कमी है। यह राय भी व्यक्त की गई कि पानी देने वाले राज्यों की इस आशंका को दूर किये जाने की जरूरत है कि उनके इस कदम से उनकी विद्युत और सिंचाई परियोजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा क्योंकि आस-पास के क्षेत्रों का समावेशी विकास आवश्यक है।

जल प्रबंधन में समुदाय की भूमिका के बारे में कहा गया कि लोग जल संरक्षण के बारे में व्यापक रूप से सजग हैं और उन्होंने सदियों से जल प्रबंधन की स्वदेशी पद्धतियां विकसित की हैं जिनका अभी भी उपयोग किया जा रहा है। देश के कोने-कोने में मौजूद बावलियों, तालाबों जैसे पुराने ढांचों और अन्य जल संरक्षण प्रणालियों को पुनर्जीवित करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

यह विचार व्यक्त किया गया कि मानसून हमारी पारिस्थितिकी को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चूँकि मानसून की अवधि केवल तीन महीने होती है, इसलिए जल संरक्षण बहुत महत्वपूर्ण है।

तत्पश्चात सदस्यों ने अनेक राज्यों में सूखे और पेयजल संकट से उत्पन्न स्थिति तथा इस संकट को दूर करने के लिए स्थायी समाधान हेतु नदियों को आपस में जोड़ने और जल

संसाधनों के प्रबंधन की आवश्यकता के बारे में नियम 193 के अंतर्गत सूचीबद्ध चर्चा में भाग लिया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी से सदस्यों को सभा में विचार विमर्श करने में सुविधा हुई।

सुविख्यात विशेषज्ञों, राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण के महानिदेशक, श्री एस मसूद हुसैन; गांधी शान्ति प्रतिष्ठान के श्री सोपान जोशी; 'संभव' के साथ सम्बद्ध श्री फरहाद कांट्रेक्टर ने सदस्यों के साथ विविध और जमीन से जुड़े अनुभव साझा किये और उनके साथ बातचीत की।

संसद सदस्यों ने लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन द्वारा सभा के विचारार्थ सूचीबद्ध विषयों के बारे में सदस्यों को जानकारी देने के लिए अध्यक्षीय शोध कदम के तत्वावधान में कार्यशालाओं के आयोजन की इस पहल का स्वागत किया और इसकी सराहना की।